अगला क़दम...

सक्षम

(शैक्षणिक विकास- सामाजिक विज्ञान)

समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार

मनीष सिसोदिया
MANISH SISODIA

सत्यमेव जयते

उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली–110002

Deputy Chief Minister, GNCTD
Delhi Secretariat, I.P. Estate,
New Delhi-110002

संदेश

नमस्कार!

मैं आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। यह पुस्तिका आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत अभिभूत हो रहा हूँ जो कि हमारे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा एवं प्रगति की दिशा में अगला कदम है। हमारी सरकार हमेशा से ही पूर्ण निष्ठा एवं लगन से शिक्षा द्वारा समाज में परिवर्तन लाने और राष्ट्र निर्माण के लिए दृढ़ संकल्प है। यह उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्य धारा में लाये बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

कोरोना महामारी के दौरान भी सरकार की पूरी कोशिश रही है कि विशेष शिक्षा अध्यापक अपने विद्यार्थियों से अनवरत जुड़े रहें। गृह आधारित शिक्षा योजना एवं 'समर्थ' पुस्तिका में दी गई गतिविधियों के माध्यम से शिक्षक आपके सहयोग से बच्चों को शिक्षा एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराते रहे हैं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चे वर्ष के किसी भी समय स्कूल में दाखिला ले सकते हैं। दाखिले की आयु सीमा में भी 4 साल की छूट दी गयी है। सभी स्कूलों को बाधामुक्त बनाया जा रहा है। स्कूलों से जुड़े सभी सदस्यों के लिए आवश्यकतानुसार ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किये जाते हैं।

बच्चों की विशेष आवश्यकता की पहचान हेतु प्रत्येक वर्ष जिला स्तर पर चिकित्सकीय आकलन शिविर आयोजित करने के पश्चात् नामित बच्चों को उपयुक्त उपकरण/उपस्कर प्रदान किये जाते हैं। बच्चों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न सहायता राशियाँ जैसे दिव्यांग छात्राओं के लिये वज़ीफा, मार्गरक्षी-भत्ता, यात्रा-भत्ता, थेरेपी के लिए भत्ता, पठन-भत्ता, लेखन-भत्ता आदि प्रदान किये जाते हैं।

मैं उम्मीद करता हूँ कि अपने नाम के अनुरूप ही यह पुस्तक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को भावी जीवन के लिए 'सक्षम' बनायेगी।

मनीष सिसोदिया
शिक्षा मंत्री, दिल्ली सरकार

H. RAJESH PRASAD
IAS

प्रधान सचिव (शिक्षा/प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा/ उच्च शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Pr. Secretary (Education/TTE/ HE)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

संदेश

प्रिय बच्चों एवं अभिभावकों,

बड़े हर्ष का विषय है कि दिल्ली सरकार, शिक्षा विभाग की समावेशी शिक्षा शाखा के अथक प्रयास और कर्मठता का प्रतिबिंब यह गतिविधि पुस्तिका **'अगला कदम.... सक्षम'** प्रकाशित हो रही है। यह पुस्तिका विशेष आवश्यकता वाले बच्चों व उनके अभिभावकों को कोरोना महामारी के समय में निरंतर और क्रमबद्ध मार्गदर्शन देने का प्रयास है। वर्तमान परिस्थितियों में, जब बच्चों का स्कूलों में आना संभव नहीं है, इस गतिविधि पुस्तिका के माध्यम से हमारे बच्चे घर पर रहकर अपने अभिभावकों व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विभिन्न कौशलों का विकास कर पायेंगे।

"परिश्रम का फल मीठा होता है।" आपके किए गए प्रयास कल बच्चों के कौशल एवं व्यवहार में प्रतिबिंबित होंगे।

बच्चों, आप अपनी खूबियों को पहचाने। निरंतर अभ्यास से इनको निखारें और अपने जीवन पथ पर प्रगति करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तिका में दी गई गतिविधियाँ न केवल आज बल्कि भविष्य में भी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को यथासंभव आत्मनिर्भर बनाएंगी।

(एच. राजेश प्रसाद)
प्रधान सचिव (शिक्षा)

UDIT PRAKASH RAI, IAS
Director, Education & Sports

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
Mob.: 8700603939
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

प्रिय बच्चों एवं अभिभावकों,

यह प्रसन्नता का विषय है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वांगीणविकास के लिए यह पुस्तिका प्रकाशित की जा रही है।

हम सभी जानते हैं कि अभिभावक ही बच्चों के पहले गुरु होते हैं। वे ही अपने बच्चों की रुचियों एवं क्षमताओं से भली-भाँति परिचित होते हैं। कोविड-19 के दौरान अभिभावकों की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है जब बच्चे घर पर ही रहकर उनके साथ अधिक समय बिता रहे हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए 'समावेशी शिक्षा शाखा' द्वारा प्रकाशित पुस्तिका में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु हर संभव कोशिश की गयी है।पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, विभिन्न प्रकार के सहगामी क्रियाकलाप एवं चित्रकला आदि के माध्यम से बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व को उनकी अभिरुचि एवं क्षमतानुसार निखारने और संवारने का सतत् प्रयास है।

आप और आपका परिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न रहे। जीवन में प्रगति-पथ पर सदैव अग्रसर रहे, यही मेरी शुभकामनाएँ हैं।

"चलो, अपनी उड़ान को नए पंख लगाते हैं,
अगला कदम.... सक्षम बनने की ओर बढ़ाते हैं।"

(उदित प्रकाश राय)
निदेशक (शिक्षा)

प्रस्तावना

प्रस्तुत पुस्तिका मुख्यतः दिल्ली के सरकारी स्कूलों मे पढ़ रहे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए एक संदर्शिका के रूप में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तिका का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के कौशलात्मक विकास में सहयोग देना है ताकि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान बच्चे घर पर ही रहकर दैनिक, शैक्षणिक व अन्य कौशलों को विकसित कर सकें एवं उनका सर्वांगीण विकास सुचारू रूप से चलता रहे।

इस पुस्तिका में दी गई गतिविधियों को समझने के लिए सरल भाषा के साथ चित्रों का प्रयोग किया गया है। अभिभावक इन गतिविधियों और चित्रों को सरलतापूर्वक समझकर आसानी से उपलब्ध होने वाले संसाधनों का प्रयोग करके बच्चों से नियमित अभ्यास करा सकेंगे।

इस पुस्तिका में विशेष शिक्षा पर आधारित शिक्षण पद्धति एवं विशेष तकनीक का प्रयोग किया गया है जिससे बच्चे के स्तर एवं आवश्यकतानुसार विभिन्न कौशलों से सम्बंधित गतिविधियों को प्रभावी रूप से सिखाया जा सके।

कोरोना महामारी के दौरान समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षा सम्बंधित विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाते हुए यह पुस्तिका अभिभावकों के लिए पथ प्रदर्शक सिद्ध होगी।

समिति के सदस्य इस पुस्तक में दिये गये कुछ चित्रों को बनाकर स्वैच्छिक योगदान देने के लिए श्री नीलकमल सक्सेना के आभारी हैं।

आशा करते हैं कि प्रस्तुत पुस्तिका विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिशा-निर्देश

इस पुस्तिका की रचना का उद्देश्य कोरोना महामारी के दौरान अभिभावकों की सहायता से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का शैक्षणिक विकास करना है। इस पुस्तिका में मुख्य विषयों की आधारभूत संकल्पनाओं को सरल व रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है जिससे बच्चा घर पर ही रहकर अभिभावक की मदद से विभिन्न विषयों की पढ़ाई आसानी से कर सके। इस पुस्तिका को प्रभावशाली रूप से उपयोग करने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है:-

1. इस पुस्तिका में बच्चों के लिए दी गई गतिविधियों को घर पर सिखाने में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।
2. इस पुस्तिका में सम्मिलित गतिविधियां, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत दी गई समस्त 21 दिव्यांगता वाले छात्र/ छात्राओं के लिए उपयोगी हैं।
3. इस पुस्तिका में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शैक्षणिक विकास हेतु सामाजिक विज्ञान को लिया गया है।
4. इस पुस्तिका में विषयवस्तु को क्रमबध्द तरीके से सरल से कठिन की ओर बढ़ते हुए दिया गया है तथा गतिविधियों को तीन स्तरों में बाँटा गया है जिनका बच्चे की क्षमता के अनुसार चयन किया जा सकता है।
5. इस पुस्तिका में विषय की मुख्य अवधारणाओं को सहज रूप से बच्चे को समझाने के लिए विभिन्न वर्कशीट्स दी गई हैं जिनका प्रयोग अभिभावक विशेष शिक्षक के निर्देशन में करेंगे।
6. इस पुस्तिका में गतिविधियों को इस प्रकार निर्मित किया गया है जिससे बच्चे की सभी इंद्रियों का उपयोग करके शैक्षणिक कौशलों को आसानी से विकसित किया जा सके।
7. इन गतिविधियों के निरंतर अभ्यास से अभिभावक बच्चों के साथ घर रहकर ही उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए तैयार कर सकते हैं।
8. इस पुस्तिका में दी गई विषयवस्तु एनसीईआरटी की पाठयपुस्तकों से ली गई है।
9. अभिभावक पुस्तिका के बेहतर इस्तेमाल के लिए विद्यालय के विशेष शिक्षा अध्यापक या अध्यापिका की सलाह ले सकते हैं।
10. विशेष शिक्षा अध्यापक अपनी रचनात्मकता से इन गतिविधियों को और भी रुचिपूर्ण बना कर दिव्यांग छात्र/छात्राओं की आवश्यकता के अनुरूप प्रयोग कर सकते हैं।

पुस्तक-समिति के सदस्य

मुख्य संयोजक

श्री उदित प्रकाश राय, निदेशक(शिक्षा), शिक्षा निदेशालय, दिल्ली।

संयोजक

श्री रामचंद्र शिनगारे, संयुक्त शिक्षा निदेशक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

संयोजक सदस्य

श्री अजय कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी/राज्य समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री रवि के. एम., अकादमिक समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री इंद्राज, अकादमिक समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री विक्रमजीत, अकादमिक समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री बिमल कुमार, समन्वयक (समावेशी शिक्षा) समग्र शिक्षा, दिल्ली।

कार्यकारी सदस्य

सभी सदस्य शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार के विभिन्न स्कूलों में प्रशिक्षित स्नातक (विशेष शिक्षा अध्यापक) के पद पर कार्यरत हैं-

श्री दानिश हसन हाशमी, राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आर.के. पुरम, नई दिल्ली।

श्रीमती दिव्या, राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बी-1, वसन्त कुन्ज, नई दिल्ली।

सुश्री मीनाक्षी गंगवार, सर्वोदय कन्या विद्यालय, पंडारा रोड, नई दिल्ली।

श्रीमती मेघा तिवारी, सर्वोदय कन्या विद्यालय, गेकुलपुरी, दिल्ली।

श्रीमती नीलम शर्मा, सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नानक पुरा, मोतीबाग-2, नई दिल्ली।

श्रीमती प्रीति शर्मा, राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, लाल कुआँ न.-1, दिल्ली।

श्रीमती रोहिना किलम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कालकाजी, दिल्ली।

श्रीमती सारिका सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बालिका विद्यालय न.-3, अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली।

श्रीमती स्वाति शर्मा, सर्वोदय कन्या विद्यालय, माता सुंदरी रोड, नई दिल्ली।

श्री वकील अहमद, राजकीय बाल माध्यमिक विद्यालय, मयूर विहार, फेस-3, दिल्ली।

विषय सूची

क्र. संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
(I)	**सामाजिक अध्ययन**	**1-41**
1.	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	1-5
2.	ऋतुओं की जानकारी	6-11
3.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक	12-17
4.	भारत के प्रमुख स्मारक	18-23
5.	सौर मंडल	24-29
6.	सरकार के अंग	30-35
7.	संसाधन	36-41

शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): सामाजिक विज्ञान

1.गतिविधि का नाम:- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता।

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास।
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) विकास एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता से सम्बंधित जागरूकता।

1.(क) गतिविधि स्तर- 1	**1. (ख) गतिविधि स्तर- 2**	**1. (ग) गतिविधि स्तर- 3**
व्यक्तिगत स्वच्छता (पर्सनल हाइजीन) की जानकारी।	स्वास्थ्य और सफ़ाई।	स्वास्थ्य एवं पर्यावरण।
प्रक्रिया		
1.बच्चे को नमूने में दिए गए चार्ट को दिखाना | 2.बच्चे को चार्ट में बने वस्तुओं जैसे- टूथ ब्रश, हैंडवाश/ साबुन, कंघी, साफ़ कपड़े, साफ़ रुमाल, नेल कटर की पहचान करने को कहना | 3.बच्चे को सही उत्तर देने पर शाबाशी देना एवं बाकी वस्तुओं के सही नाम बताना | 4.बच्चे को एक-एक कर उनके उपयोग के बारे में पूछना | 5.बच्चे को अपने विचार व्यक्त करने का मौका देना | 6.अब बच्चे को यह बताना कि चार्ट में दिखाई गयी सभी वस्तुएँ स्वयं की साफ़ सफाई में सहायक होती हैं | 7.बच्चे को यह बताना कि स्वस्थ रहने के लिए स्वयं की साफ़-सफाई (व्यक्तिगत स्वच्छता) महत्वपूर्ण है | 8.अब बच्चे को व्यक्तिगत स्वच्छता हेतु निम्नलिखित बातें बताना :- i)हमें सुबह उठने के बाद एवं रात को सोने से पहले दांतों को साफ़ (ब्रशिंग) करना चाहिए।	1.बच्चे से पूछना कि "वह व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए क्या-क्या करते है?" 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 3.बच्चे की जानकारी को आगे बढ़ाते हुए बताना कि व्यक्तिगत स्वच्छता एवं अच्छे स्वास्थ्य में गहरा सम्बन्ध है | 4.इसके लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना अति आवश्यक है:- i)संतुलित आहार:- वह आहार जिसमें सभी पोषक तत्व ,रेशे एवं पानी उचित मात्रा में हो उसे संतुलित आहार कहते है | संतुलित आहार में पाए जाने वाले पोषक तत्वों को निम्नलिखित पांच भागों में बाँटा जाता है:- •कार्बोहाइड्रेट- ऊर्जा देता है| (उदाहरण:- आलू, ब्रैड, बादाम, चावल, रोटी इत्यादि) •वसा -ऊर्जा को एकत्र करने के लिए (उदाहरण:- चीनी, तेल, मक्खन इत्यादि) •प्रोटीन -शरीर के विकास के लिए (उदाहरण:- अंडे, दूध, पनीर, मीट, दाल, मटर इत्यादि) | •खनिज -शरीर को कार्य करने के लिए (उदाहरण:- पालक, दूध, केला,	1.कूड़ा उठाने वाली गाड़ी की आवाज़ आने पर बच्चे से पूछना कि "यह क्यों आती है और इसके आने पर हम क्या करतें है?" 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 3.बच्चे की जानकारी आगे बढ़ाने हेतु बताना कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ पर्यावरणीय स्वच्छता भी महत्वपूर्ण है | 3.बच्चे को बताना "पर्यावरण स्वच्छता का अर्थ है अपने आस-पास की सफ़ाई रखना एवं प्राकृतिक संसाधनों (वायु, जल, भूमि इत्यादि) को दूषित न करना व इनका प्रयोग समझदारी से करना | 5.बच्चे को बताना कि स्वच्छता को निम्नलिखित दो भागों में बाँट सकते है:- i)व्यक्तिगत स्वच्छता – व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने हेतु स्तर-1 एवं स्तर-2 में दिए गए बिंदुओं को देखें इनके अलावा लड़कियों को माहवारी के दौरान साफ़ -सफ़ाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए ,सैनिटरी नैपकिन(पैड)को हर छह घंटे में बदलना चाहिए, इस्तेमाल हुए

ii)हमें खाने से पहले और खाने के बाद अच्छी तरह हाथों को धोना चाहिए | iii)हमें रोजाना बालों में कंघी करनी चाहिए | iv)हमें रोजाना साफ़ कपड़े पहनने चाहिए | v)हमें नाक साफ़ करने के लिए साफ़ रुमाल का प्रयोग करना चाहिए | vi)हमें अपने नाख़ून छोटे एवं साफ़ रखने चाहिए | vii)हमें रोजाना नहाना चाहिए | 9.बच्चे को इन बातों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना | 10.बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देश पढ़ कर सुनाना | 11.बच्चे को दिए गए वर्कशीट में व्यक्तिगत स्वच्छता से सम्बंधित चित्र को पहचान कर गोला लगाने को कहना ।	सेब, अंडे, अदरक इत्यादि) | •विटामिन -बिमारियों से बचने के लिए (उदाहरण:- फल, सब्जियाँ, दूध इत्यादि) | ii)साफ़ भोजन खाना एवं साफ़ पानी पीना:- हमें साफ़ भोजन एवं साफ़ पानी पीना चाहिए। खाना बनाने से पूर्व फल एवं सब्ज़ियों को साफ़ पानी से धोना चाहिए ताकि गंदगी एवं रासायनिक तत्व हमारे शरीर में न पहुँचे। खाने को साफ़ बर्तन में पकाना एवं ढककर रखना चाहिए ताकि मक्खियाँ एवं कीड़ों द्वारा कीटाणु खाने में प्रवेश न कर पाएं। साफ़ पानी पीना क्योंकि गंदा पानी पीने से अनेक प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं| iii)व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना:- व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने हेतु स्तर-1 में दिए गए बिंदुओं को देखें, इनके अलावा हमें कान एवं आँखों का ध्यान रखना चाहिए। हमे आँखों को ठंडे पानी से धोना चाहिए। पढ़ने-लिखने के समय पर्याप्त रोशनी एवं टीवी देखते समय दस फ़ीट की दूरी होनी चाहिए, कान में नुकीली चीज़े जैसे पेन, पेंसिल इत्यादि नहीं डालने चाहिए। iv)नियमित व्यायाम करना:- नियमित रूप से व्यायाम करना सेहत के लिए लाभदायक है एवं यह हमारे रक्त संचार को दुरुस्त रखता है| v)उचित समय के लिए आराम करना:- स्वस्थ्य शरीर के लिए मुख्यत: आठ घंटे की नींद आवश्यक है अगर शरीर थका हुआ हो तो हमारे शरीर को आराम देना	सैनिटरी नैपकिन (पैड) को सही तरीके से कागज़ मे लपेटकर कचरे के डिब्बे मे फेंकना चाहिए | ii)पर्यावरणीय स्वच्छता- •अपने घर व आस -पास गंदगी न फैलाना एवं साफ़ -सफ़ाई बनाये रखना | •पॉलीथिन बैग के स्थान पर कपड़े एवं कागज़ से बने बैग का प्रयोग करना | •खुले स्थान की जगह शौचालय का प्रयोग करना | •वायु प्रदूषण को रोकने के लिए पेड़-पौधों की देखभाल करना एवं नए पौधे लगाना | •नदियों एवं तालाबों में गंदगी एवं कचरा न फेंकना और पानी का प्रयोग जरूरत के हिसाब से करना | •रसोई से निकलने वाले कूड़े का प्रयोग खाद बनाने एवं प्लास्टिक को पुन: प्रयोग किया जा सकता है| •बच्चे के साथ व्यक्तिगत व पर्यावरणीय स्वच्छता से सम्बंधित बातों पर चर्चा करना एवं इसके महत्व बताना | 6.बच्चे को व्यक्तिगत व पर्यावरणीय स्वच्छता पर निबंध (100-150 शब्दों) लिखने की कहना।

	चाहिए । 5.अभिभावक द्वारा बच्चे को उपरोक्त बिंदुओं के बारें में बताना एवं समझाना । 6.बच्चे को स्वास्थ्य और सफ़ाई सम्बंधित उपरोक्त बातों का दैनिक जीवन में पालन करने को कहना एवं प्रेरित करना । 7.बच्चे को स्वास्थ्य और सफ़ाई पर एक पोस्टर बनाने को कहना ।	
आवश्यक सामग्री		
वर्कशीट, क्रेयॉन/पेंसिल।	चार्ट, पेंसिल, A-4/A-3 कागज़/ड्राइंग पेपर, क्रेयॉन, स्केच पेन।	पेन, पेंसिल, कागज़।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

स्तर-1

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 1

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

व्यक्तिगत स्वच्छता से सम्बंधित चित्रों को पहचानकर गोला लगाएँ।

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 1

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

पर्यावरणीय स्वच्छता पर निबंध (100-150 शब्दों) लिखें।

शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): सामाजिक विज्ञान

2.गतिविधि का नाम:- ऋतुओं की जानकारी।

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास।
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) विकास, समाजिक विकास एवं लेखन कौशल का विकास।

2. (क) गतिविधि स्तर- 1	**2. (ख) गतिविधि स्तर- 2**	**2. (ग) गतिविधि स्तर- 3**
ऋतुओं की जानकारी (सर्दी एवं गर्मी)।	ऋतुओं की जानकारी (ग्रीष्म, शीत, वर्षा एवं वसंत)।	ऋतुओं की विस्तृत जानकारी (ग्रीष्म, शीत, वर्षा एवं वसंत)।
प्रक्रिया		
1. बच्चे को सर्दी के मौसम का चित्र दिखाना | 2.बच्चे से सर्दी के मौसम से सम्बंधित प्रश्न पूछना जैसे- "सर्दी में आपको कैसा लगता है?", "सर्दी में आप किस प्रकार के कपड़े पहनते है" | 3.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 4.बच्चे को सर्दी के मौसम के बारें में सामान्य जानकारी देना जैसे- सर्दियों में गरम कपड़े (स्वेटर, जैकेट, टोपी, मफलर, जुराबें, दस्ताने आदि) पहनते हैं। सर्दियों में चाय, कॉफी पीना एवं गाजर का हलवा खाना पसंद करते हैं। सर्दियों में गर्म पानी (नहाने/पीने के लिए) का इस्तेमाल करते हैं | 5.इसी प्रकार बच्चे को गर्मी के मौसम का चित्र दिखाना। 6.बच्चे से गर्मी के मौसम से सम्बंधित प्रश्न पूछना जैसे- "गर्मी में आपको कैसा लगता है?", "गर्मी में आप किस प्रकार के कपड़े पहनते है" | 7.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 8.बच्चे की जानकारी को आगे बढ़ाते हुए गर्मी के मौसम के बारें	1.बच्चे को दिए गए चार्ट में ऋतुओं के चित्र दिखाकर उनसे सम्बंधित प्रश्न पूछना कि "आप इनमें से कौन-कौन सी ऋतुओं के बारे में जानते हो" | 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 3.बच्चे की जानकारी बढ़ाने हेतु निम्नलिखित ऋतुओं के बारें में बताना:- i)शीत/शरद ऋतु (सर्दी)- सर्दियों में गरम कपड़े (स्वेटर, जैकेट, टोपी, मफलर, जुराबें, दस्ताने आदि) पहनते हैं। सर्दियों में चाय, कॉफी पीना एवं गाजर का हलवा खाना पसंद करते हैं। सर्दियों में गरम पानी (नहाने /पीने के लिए) का इस्तेमाल करते हैं। सर्दी से बचने के लिए रजाई एवं कम्बल का प्रयोग करते है, सर्दियों में क्रिसमस, मकर संक्रांति एवं लोहड़ी आदि पर्व मनाते है | ii)ग्रीष्म ऋतु(गर्मी)- गर्मियों में मुख्यतः सूती एवं हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं। गर्मियों में हम खाने-पीने के लिए ठंडी चीजें (शरबत पीना एवं आइसक्रीम खाना) पसंद करते हैं। गर्मियों में कूलर/एसी/पंखा चलाते हैं। गर्मियों में आम, लीची, तरबूज आदि फल	1.बच्चे को दिए गए चार्ट में ऋतुओं के चित्र दिखाकर उनसे सम्बंधित प्रश्न पूछना कि "आप इनमें से किन ऋतुओं के बारे जानते हो" | 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 3 बच्चे की जानकारी बढ़ाने हेतु निम्नलिखित ऋतुओं के बारें में बताना:- i)शीत/शरद ऋतु(सर्दी)- सर्दियों में हम गरम कपड़े (स्वेटर, जैकेट, टोपी, मफलर, जुराबें , दस्ताने आदि) पहनते हैं। सर्दियों में चाय, कॉफी पीना एवं गाजर का हलवा खाना पसंद करते हैं। सर्दियों में गरम पानी (नहाने/पीने के लिए) का इस्तेमाल करते है, सर्दी से बचने के लिए रजाई एवं कम्बल का प्रयोग करते हैं। सर्दियों में क्रिसमस, मकर संक्रांति एवं लोहड़ी आदि पर्व मनाते हैं। सर्दी का मौसम दिसंबर से मार्च तक रहता हैं। इस मौसम में दिन छोटे व रात लम्बी होती है। ii)ग्रीष्म ऋतु(गर्मी)- गर्मियों में मुख्यतः सूती एवं हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं। गर्मियों में हम खाने-पीने के लिए ठंडी चीजें (शरबत पीना एवं आइसक्रीम खाना)पसंद करते हैं। गर्मियों में कूलर/ एसी/ पंखा चलाते हैं। गर्मियों

में सामान्य जानकारी देना जैसे- गर्मियों में मुख्यतः सूती एवं हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं। गर्मियों में हम खाने-पीने के लिए ठंडी चीजें (शरबत पीना एवं आइसक्रीम खाना) पसंद करते हैं। गर्मियों में हम कूलर/एसी/पंखा चलाते हैं। 9.बच्चे को वर्कशीट देना एवं लिखे गए निर्देशों को पढ़कर बताना। 10.निर्देशानुसार बच्चे को सर्दियों में इस्तेमाल होने वाली चीज़ों की पहचान कर उसमें रंग भरने को कहना।	खाना पसंद करते हैं। गर्मियों में लोग तैराकी, वाटर पार्क एवं पहाड़ी क्षेत्रों में घूमना पसंद करते हैं। iii)वर्षा ऋतु-वर्षा ऋतु में बारिश होती है, बारिश से बचने के लिए छाते एवं बरसाती का प्रयोग किया जाता है। बरसात के मौसम में पेड़-पौधे एवं घास हरे-भरे हो जाते हैं। बरसात के मौसम में लोग चाय पीना एवं पकोड़े खाना पसंद करते हैं। बरसात के मौसम में रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, तीज आदि पर्व मानते हैं। iv)वसंत ऋतु- वसंत ऋतु में न ज्यादा गर्मी और न ही ज्यादा ठंडी होती है। वसंत ऋतु में गुलाब, गेंदा, सूरजमुखी जैसे- फूलों की बहार आ जाती है। वसंत ऋतु में मुगल गार्डन (दिल्ली स्थित) दर्शकों के लिए (विभिन्न प्रकार के फूलों को देखने के लिए) खोला जाता है। इस ऋतु में वसंत पंचमी, बैसाखी, बिहू एवं रामनवमी जैसे पर्व मनाते हैं। 4.अब बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देशानुसार बच्चे को ऋतुओं के नाम उपयुक्त स्थान में लिखने को कहना। 5.बच्चे को दिए गए शब्द तालिका में से ऋतु-सम्बंधित शब्दों पर गोला लगाने को कहना। 6. आवश्यकतानुसार मौखिक/ सांकेतिक सहायता प्रदान करना।	में आम, लीची, तरबूज आदि फल खाना पसंद करते हैं। गर्मियों में लोग तैराकी, वाटर पार्क एवं पहाड़ी क्षेत्रों में घूमना पसंद करते हैं। गर्मी का मौसम अप्रैल से जून तक होता है, इस में दिन लम्बे एवं रात छोटी होती है | iii)**वर्षा ऋतु** – वर्षा ऋतु में बारिश होती है। बारिश से बचने के लिए छाते एवं बरसाती का प्रयोग किया जाता है। बरसात के मौसम में पेड़-पौधे एवं घास हरे-भरे हो जाते हैं। बरसात के मौसम में लोग चाय पीना एवं पकौड़े खाना पसंद करते हैं। बरसात के मौसम में रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, तीज आदि पर्व मनाते हैं। बरसात का मौसम जुलाई और अगस्त में होता है। वर्षा ऋतु अच्छी फसल के लिए अति आवश्यक है। iv)**वसंत ऋतु-** वसंत ऋतु में न ज्यादा गर्मी और न ही ज्यादा ठंडी होती है। वसंत ऋतु में गुलाब, गेंदा, सूरजमुखी जैसे- फूलों की बहार आ जाती है। वसंत ऋतु में मुगल गार्डन (दिल्ली स्थित) दर्शकों के लिए (विभिन्न प्रकार के फूलों को देखने के लिए) खोला जाता है। इस ऋतु में वसंत पंचमी, बैसाखी, बिहू एवं रामनवमी जैसे- पर्व मनाते हैं। वसंत ऋतु फरवरी एवं मार्च में होता है।" (नोट:- बच्चा चाहे तो अन्य माध्यमों से इन ऋतुओं पर अधिक जानकारी एवं दो अन्य ऋतुओं (हेमंत और शिशिर ऋतु) से सम्बंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है) 4.अब बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देशानुसार ऋतु के बारे में लिखने

		को कहना । 5. आवश्यकतानुसार मौखिक/ सांकेतिक सहायता प्रदान करना । 6.बच्चे को ऋतुओं से सम्बंधित जानकारी एकत्रित करने को प्रेरित करना । 7.बच्चे को ऋतुओं से सम्बंधित चित्र युक्त बुकलेट/पेम्फ्लेट बनाने को कहना ।
आवश्यक सामग्री		
क्रेयॉन, वर्कशीट, ऋतुओं के चित्र।	वर्कशीट, पेन/पेंसिल, ऋतुओं के चित्र।	वर्कशीट, ऋतुओं के चित्र, पेन, रंगीन कागज़, स्केचपेन।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

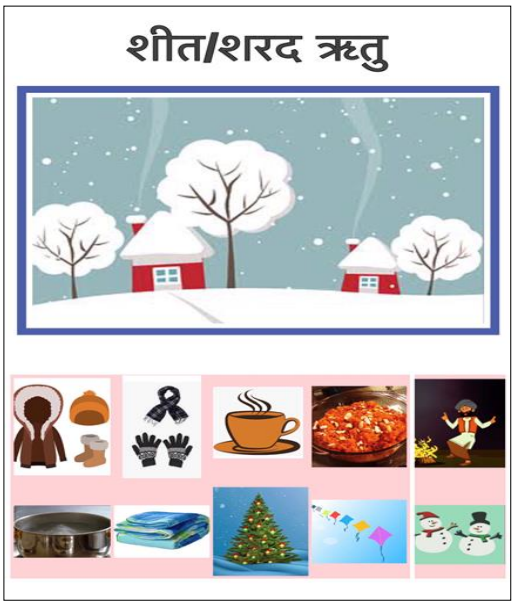

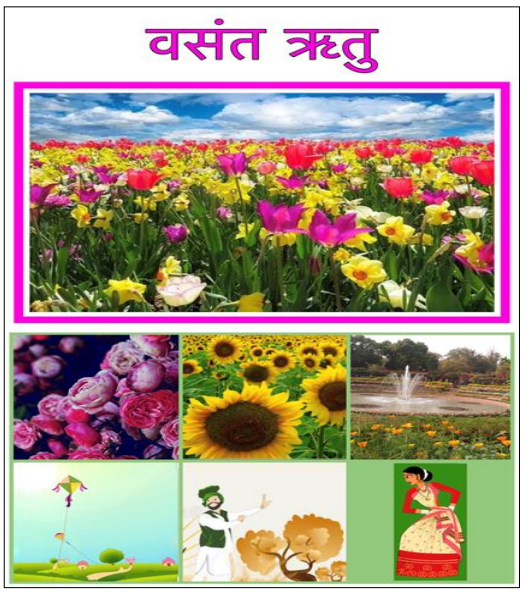

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 2

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए चित्र में सर्दियों में इस्तेमाल होने वाली चीज़ों की पहचान कर उसमें रंग भरें।

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 2

(स्तर- 2)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए ऋतुओं के नाम उपयुक्त स्थान में लिखें एवं शब्द तालिका में से ऋतु-सम्बंधित शब्दों पर गोला लगाएँ।

 1. नाम :-	स्वेटर, मुगल गार्डन, छाता, आइसक्रीम, बारिश, शरबत, दस्ताने, वसंत पंचमी, फूल, गाजर का हलवा, बरसाती, गरम पानी, बिहू, तीज, पकोड़े, कम्बल, पंखा, सूरजमुखी, क्रिसमस, आम, सूती कपड़ा, रक्षाबंधन, तैराकी, बैसाखी।

 2. नाम :-	स्वेटर, मुगल गार्डन, छाता, आइसक्रीम, बारिश, शरबत, दस्ताने, वसंत पंचमी, फूल, गाजर का हलवा, बरसाती, गरम पानी, बिहू, तीज, पकोड़े, कम्बल, पंखा, सूरजमुखी, क्रिसमस, आम, सूती कपड़ा, रक्षाबंधन, तैराकी, बैसाखी।

 3. नाम :-	स्वेटर, मुगल गार्डन, छाता, आइसक्रीम, बारिश, शरबत, दस्ताने, वसंत पंचमी, फूल, गाजर का हलवा, बरसाती, गरम पानी, बिहू, तीज, पकोड़े, कम्बल, पंखा, सूरजमुखी, क्रिसमस, आम, सूती कपड़ा, रक्षाबंधन, तैराकी, बैसाखी।

 4. नाम :-	स्वेटर, मुगल गार्डन, छाता, आइसक्रीम, बारिश, शरबत, दस्ताने, वसंत पंचमी, फूल, गाजर का हलवा, बरसाती, गरम पानी, बिहू, तीज, पकोड़े, कम्बल, पंखा, सूरजमुखी, क्रिसमस, आम, सूती कपड़ा, रक्षाबंधन, तैराकी, बैसाखी।

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 2

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए स्थान में ऋतुओं के बारें में 8-10 पंक्तियाँ लिखें।

	ग्रीष्म ऋतु

	शीत/शरद ऋतु

	वर्षा ऋतु

	वसंत ऋतु

शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): सामाजिक विज्ञान

3.गतिविधि का नाम:- भारत के राष्ट्रीय प्रतीक।

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास।
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) विकास, समाजिक विकास, लेखन कौशल का विकास, राष्ट्रीय प्रतीकों के इतिहास एवं विशिष्टता की जानकारी।

3.(क) गतिविधि स्तर- 1	**3. (ख) गतिविधि स्तर- 2**	**3.(ग) गतिविधि स्तर- 3**
भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों की पहचान (राष्ट्रीय फूल एवं राष्ट्रीय पक्षी)।	भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों की पहचान (राष्ट्रीय फूल, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय फल, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय पशु एवं राष्ट्रीय खेल)।	भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों की पहचान (राष्ट्रीय फूल, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय फल, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय खेल, राष्ट्रीय वृक्ष एवं राष्ट्रीय चिन्ह)।
प्रक्रिया		
1.बच्चे को कमल का चित्र दिखाना । 2.बच्चे से कमल के फूल से सम्बंधित प्रश्न पूछना जैसे- "क्या आपने इस फूल को कहीं देखा है?" 3. बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना । 4.बच्चे को कमल के बारें में सामान्य जानकारी देना जैसे भारत का राष्ट्रीय फूल कमल है। यह मुख्यतः सफ़ेद एवं गुलाबी रंग का होता है। कमल का फूल पानी में खिलता है। 5.इसी प्रकार बच्चे को मोर का चित्र दिखाना। 6.बच्चे से मोर से सम्बंधित प्रश्न पूछना जैसे- "आपने पहले इस चित्र को कहीं देखा है?"	1.बच्चे को दिए गए चार्ट में राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र दिखाकर सम्बंधित प्रश्न पूछना जैसे- "आपने इसमें से क्या-क्या देखा है?" 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना । 3. बच्चे को यह बताना कि चार्ट में दिखाए गए चित्र भारत के विभिन्न राष्ट्रीय प्रतीक हैं । 4.बच्चे की जानकारी को बढ़ाने हेतु निम्नलिखित भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के बारें में बताना:- i)राष्ट्रीय फूल- भारत का राष्ट्रीय फूल कमल है। यह मुख्यतः सफ़ेद एवं गुलाबी रंग का होता है। कमल का फूल पानी में खिलता है। यह समृद्धि, ज्ञान एवं विकास का प्रतीक है। ii)राष्ट्रीय पक्षी- भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। मोर बहुत सुंदर पक्षी है, मोर के पंख रंग-बिरंगे होते हैं। भारत के सभी जगहों पर मोर पाया जाता है। iii)राष्ट्रीय फल- भारत का राष्ट्रीय फल आम हैं। यह मुख्यत: पीले व हरे रंग का होता है। आम को फलों का राजा माना जाता है। भारत में आम की अनेक किस्में पाई जाती है। iv)राष्ट्रीय ध्वज- भारत का राष्ट्रीय ध्वज	1.बच्चे को दिए गए चार्ट में राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र दिखाकर सम्बंधित प्रश्न पूछना जैसे- "आपने इसमें से क्या-क्या देखा है?" 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना। 3. बच्चे को यह बताना कि चार्ट में दिखाए गए चित्र भारत के विभिन्न राष्ट्रीय प्रतीक हैं । 4.बच्चे की जानकारी को बढ़ाने हेतु निम्नलिखित भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के बारें में बताना:- i)राष्ट्रीय वृक्ष- भारत का राष्ट्रीय वृक्ष बरगद है। यह एक बहु-वर्षीय, विशाल, घना एवं फैला हुआ वृक्ष होता है। बरगद का वृक्ष रात को भी ऑक्सीजन देता है। इसकी शाखाएं दूर-दूर तक फैली हुई होती है। ii)राष्ट्रीय चिन्ह- भारत का राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ है। 26 जनवरी 1950 को अशोक स्तंभ को राष्ट्रीय चिन्ह स्वीकार

7.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना। 8.बच्चे की जानकारी को आगे बढ़ाते हुए मोर के बारें में सामान्य जानकारी देना जैसे- भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। मोर बहुत सुंदर पक्षी है। मोर के पंख रंग-बिरंगे होते है। 9.बच्चे को वर्कशीट देना एवं लिखे गए निर्देशों को पढ़कर बताना | 10.निर्देशानुसार बच्चे को कमल का चित्र पहचानने को कहना | 11.सही पहचान करने के बाद उसमें रंग भरने को कहना | 12.इसी प्रकार मोर का चित्र पहचानने को कहना एवं उसमें रंग भरने को कहना |	तिरंगा (तीन रंग का) है। तिरंगे में सबसे ऊपर केसरिया रंग,मध्य में सफ़ेद रंग और सबसे नीचे हरा रंग होता है। इस ध्वज के बीच में नीले रंग की चौबीस तीलियों वाला अशोक चक्र है। केसरिया रंग साहस एवं बलिदान, सफ़ेद रंग सत्य एवं शांति और हरा रंग विकास एवं विश्वास का प्रतीक है। v)राष्ट्रीय पशु- भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। इसको अपनी शालीनता, दृढ़ता, फुर्ती और अपार शक्ति के कारण चुना गया है। 1972 में बाघ को राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया। भारत में पाई जाने वाली बाघ की प्रजाति को रॉयल बंगाल टाइगर के नाम से जाना जाता है | vi).राष्ट्रीय खेल- भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। इसमें 11 -11 खिलाड़ियों की दो टीमें खेल में भाग लेती है। हॉकी स्टिक की लम्बाई लगभग 91 सेंटीमीटर होती है। मेजर ध्यान चंद को हॉकी के जादूगर के नाम से जाना जाता है | 5.अब बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देशानुसार बच्चे को भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम लिखने को कहना | 6.आवश्यकतानुसार मौखिक/ सांकेतिक सहायता प्रदान करना।	किया गया। अशोक स्तंभ में नीचे की ओर देवनागरी लिपि में "सत्यमेव जयते" अंकित है। राष्ट्रीय चिन्ह में तीन पशु (घोड़ा, सिंह, सांड) दर्शाये गए है। iii)राष्ट्रीय फूल, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय फल, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय खेल से सम्बंधित जानकारी स्तर-2 के अनुसार देना | (नोट:- बच्चा चाहे तो अन्य माध्यमों से भारत के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है।) 4.अब बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देशानुसार राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में लिखने को कहना। 5.आवश्यकतानुसार मौखिक/ सांकेतिक सहायता प्रदान करना | 6.बच्चे को अन्य भारत के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों से सम्बंधित जानकारी एकत्रित करने को प्रेरित करना | 7.बच्चे को भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों से सम्बंधित चित्र युक्त चार्ट/स्क्रैप बुक बनाने को कहना|
आवश्यक सामग्री		
क्रेयॉन, वर्कशीट, राष्ट्रीय फूल एवं राष्ट्रीय पक्षी के चित्र।	वर्कशीट, पेन/पेंसिल, राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र।	वर्कशीट, राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र, पेन, रंगीन कागज़, स्केच-पेन।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

स्तर-1

स्तर-2

स्तर-3

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 3

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए चित्र में राष्ट्रीय फूल को पहचाने एवं रंग भरें। राष्ट्रीय पक्षी की पहचान कर उसमें भी रंग भरें।

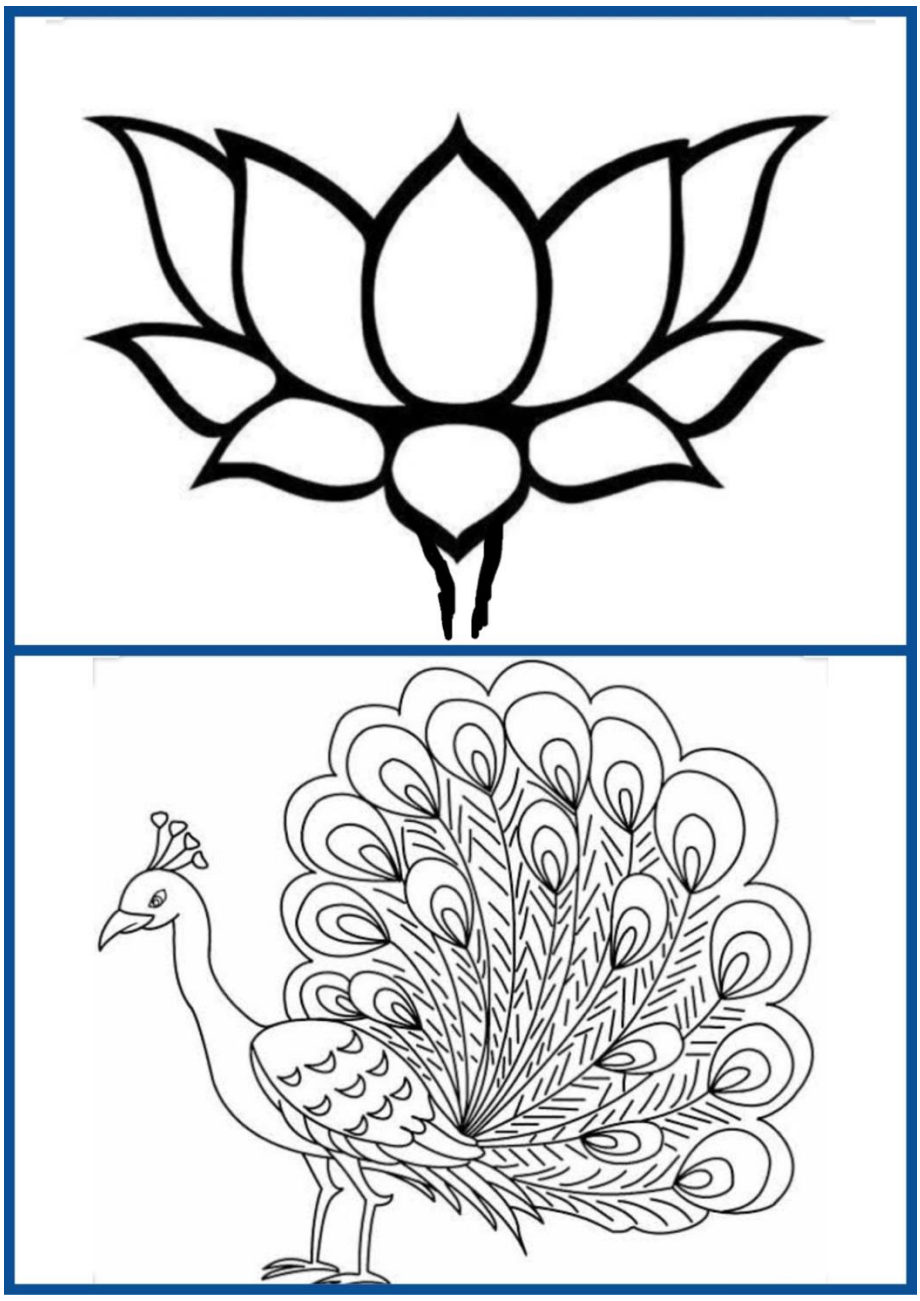

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 3

(स्तर- 2)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

दिए गए भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के सही नाम पर गोला लगाएँ ।

राष्ट्रीय फूल	1. कमल 2. गुलाब 3. गेंदा 4. चंपा

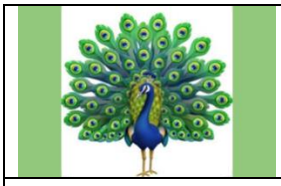 **राष्ट्रीय पक्षी**	1. कबूतर 2. कोयल 3. मैना 4. मोर

राष्ट्रीय फल	1. केला 2. आम 3. अंगूर 4. सेब

राष्ट्रीय ध्वज	1. तिरंगा 2. अलबेरक 3. ब्रताश 4. सिंह फ्लैग

राष्ट्रीय पशु	1. शेर 2. बाघ 3. हाथी 4. लोमड़ी

राष्ट्रीय खेल	1. क्रिकेट 2. कबड्डी 3. कुश्ती 4. हॉकी

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 3

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए स्थान में भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के बारें में 5-6 पंक्तियाँ लिखें।

हिंट/संकेत:- कमल, तिरंगा, बाघ, बरगद, आम, हॉकी, मोर

राष्ट्रीय फूल	

राष्ट्रीय पक्षी	

राष्ट्रीय फल	

राष्ट्रीय ध्वज	

राष्ट्रीय पशु	

राष्ट्रीय खेल	

राष्ट्रीय वृक्ष	

शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): सामाजिक विज्ञान

4.गतिविधि का नाम:- भारत के प्रमुख स्मारक।

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) विकास, सामाजिक विकास एवं लेखन कौशल का विकास।

4 (क) गतिविधि स्तर- 1	**4 (ख) गतिविधि स्तर- 2**	**4 (ग) गतिविधि स्तर- 3**
भारतीय स्मारकों की जानकारी (कुतुब-मीनार, ताजमहल)।	भारतीय स्मारकों की जानकारी (कुतुब-मीनार, ताजमहल, इंडिया गेट, रेड फोर्ट, लोटस टेम्पल, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी)।	भारतीय स्मारकों की जानकारी (कुतुब-मीनार, ताजमहल, इंडिया गेट, रेड फोर्ट, लोटस टेम्पल, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी, चारमीनार, गेटवे ऑफ़ इंडिया)।
प्रक्रिया		
1.बच्चे को कुतुब-मीनार का चित्र दिखाना | 2.बच्चे से कुतुब-मीनार सम्बन्धित प्रश्न पूछना जैसे- "क्या आप यहाँ गए है?", "अगर गए है तो आपने वहाँ क्या देखा?" 3.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 4.बच्चे को कुतुब-मीनार के बारें में सामान्य जानकारी देना जैसे- "यह सबसे लम्बी मीनारों में से एक है। यह लाल पत्थर की बनी हुई है। यह दिल्ली में स्थित है।" 5.इसी प्रकार बच्चे को ताजमहल का चित्र दिखाना। 6.बच्चे से ताजमहल से सम्बन्धित प्रश्न पूछना जैसे- "आपने पहले इस चित्र को कहीं देखा है? क्या आप यहाँ गए है? अगर गए है तो आपने वहाँ क्या देखा?" 7.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना |	1.बच्चे को दिए गए चार्ट में स्मारकों के चित्र दिखाकर पूछना कि उन्होंने इनमें से कौन-कौन से स्मारक देखे हैं | 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 3.बच्चे की जानकारी बढ़ाने हेतु निम्नलिखित भारत के प्रमुख स्मारकों के बारें में बताना:- i)कुतुब-मीनार - यह सबसे लम्बी मीनारों में से एक है। यह लाल पत्थर की बनी हुई है। यह दिल्ली में स्थित है। इसकी लंबाई लगभग 73 मीटर है| ii)ताजमहल - ताजमहल सफ़ेद रंग का है। ताजमहल पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, यह आगरा में स्थित है। इसे मुगल शासक शाहजहाँ ने बनवाया था। iii)इंडिया गेट - यह शहीद सैनिकों की याद में बनाया गया है। यहाँ अमर जवान ज्योति निरंतर जलती रहती है। यह लाल और पीले पत्थरों (बलुआ) से बना हुआ है। यह नई दिल्ली के राजपथ पर स्थित है | iv)लोटस टेम्पल (कमल मंदिर) - यह कमल के आकर का है। यह बहाई मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह सफ़ेद	1.बच्चे को दिए गए चार्ट में स्मारकों के चित्र दिखाकर पूछना कि उन्होंने इनमें से कौन-कौन से स्मारक देखे हैं | 2.बच्चे को अपने विचार प्रकट करने का मौका देना | 3.बच्चे की जानकारी को बढ़ाने हेतु निम्नलिखित भारत के प्रमुख स्मारकों के बारे में बताना:- i)चारमीनार - यह हैदराबाद(तेलंगाना) में स्थित है। यह हैदराबाद के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। यह व्यस्त बाज़ार के लिए जाना जाता है और चारमीनार का अर्थ है चार स्तंभ | ii)गेटवे ऑफ़ इंडिया - यह भारत के मुंबई (महाराष्ट्र) में स्थित है, इसका निर्माण ब्रिटिश राज में किया गया था। यह मुंबई का सर्वाधिक प्रसिद्ध स्मारक है। यह अरब सागर के किनारे बनाया गया है | iii)कुतुब-मीनार, ताजमहल, इंडिया

8.बच्चे की जानकारी को आगे बढ़ाते हुए ताजमहल के बारें में सामान्य जानकारी देना जैसे- "ताजमहल सफ़ेद रंग का है"। "ताजमहल पूरे विश्व में प्रसिद्ध है"। "यह आगरा में स्थित है" । 9.बच्चे को वर्कशीट देना एवं लिखे गए निर्देशों को पढ़कर बताना । 10.निर्देशानुसार बच्चे को कुतुब मीनार का चित्र पहचानने को कहना । 11.सही पहचान करने के बाद उसमें रंग भरने को कहना । 12.इसी प्रकार ताजमहल का चित्र पहचानने को कहना एवं उसमें रंग भरने को कहना ।	रंग का है और इसके हॉल में एक साथ 2500 लोग बैठ सकते है । v)लाल किला - स्वतंत्रता दिवस पर हमारे प्रधानमंत्री लालकिले पर झंडा फहराते एवं भाषण देते है, यह लाल और सफ़ेद पत्थर का बना हुआ है। यह पुरानी दिल्ली में स्थित है और इसे मुगल शासक शाहजहाँ ने बनवाया था । vi)स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी - यह विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है, यह गुजरात में नर्मदा नदी के टापू पर स्थित है। यह सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित है, यह 31 अक्टूबर 2018 में आम जनता के दर्शनों के लिए खोली गई । 4.अब बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देशानुसार बच्चे को स्मारक का नाम लिखने को कहना । 5.आवश्यकतानुसार मौखिक/सांकेतिक सहायता प्रदान करना ।	गेट, लोटस टेम्पल, लाल किला एवं स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी से सम्बन्धित जानकारी स्तर-2 के अनुसार देना । (नोट:- बच्चा चाहे तो अन्य माध्यमों से इन स्मारकों पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है)। 4.अब बच्चे को वर्कशीट देना एवं निर्देशानुसार स्मारक के बारे में लिखने को कहना । 5.आवश्यकतानुसार मौखिक/सांकेतिक सहायता प्रदान करना। 6.बच्चे को अन्य भारतीय स्मारकों से सम्बंधित जानकारी एकत्रित करने को प्रेरित करना । 7.बच्चे को प्रमुख भारतीय स्मारकों से सम्बंधित चित्र युक्त बुकलेट/पैम्पलेट बनाने को कहना ।
आवश्यक सामग्री		
क्रेयॉन, वर्कशीट, स्मारकों के चित्र।	वर्कशीट, पेन/पेंसिल, स्मारकों के चित्र।	वर्कशीट, स्मारकों के चित्र, पेन, रंगीन कागज़, स्केच-पेन।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

स्तर-1

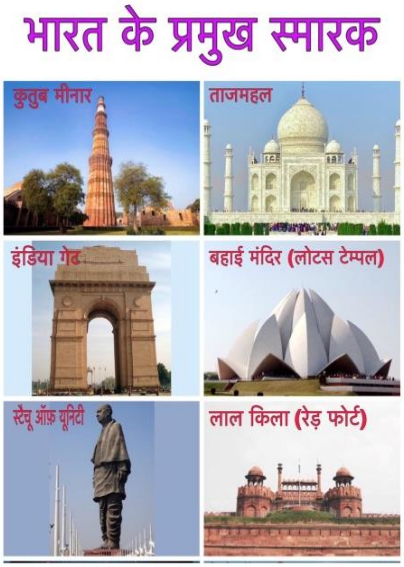

स्तर-2

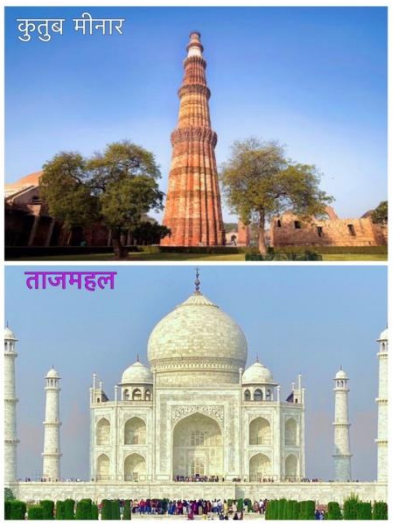

स्तर-3

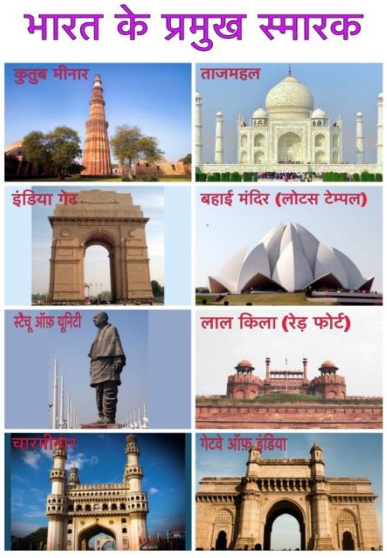

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 4

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए चित्र में कुतुब-मीनार को पहचाने एवं रंग भरें। ताजमहल की पहचान कर उसमें भी रंग भरें।

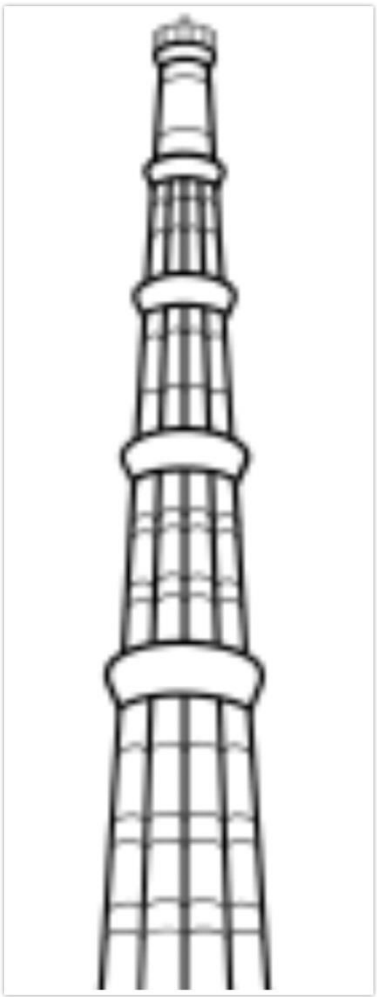

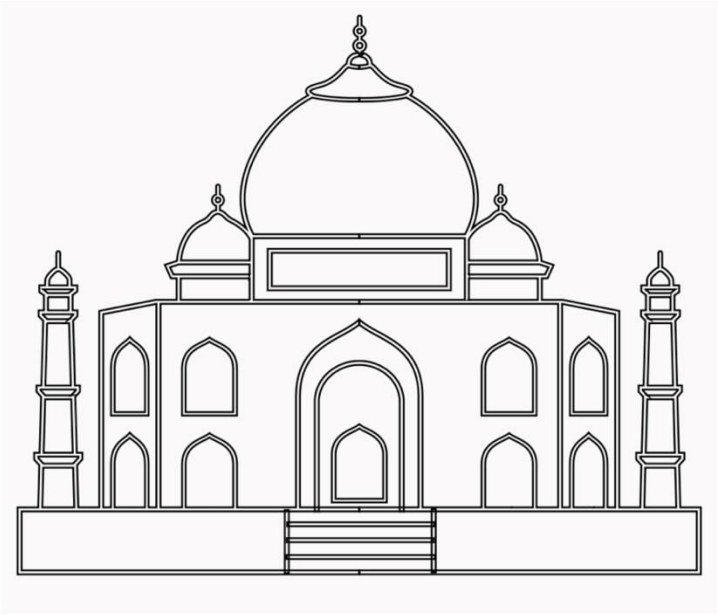

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 4

(स्तर- 2)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए प्रमुख भारतीय स्मारकों के चित्र को पहचान कर रिक्त स्थान पर नाम लिखें।

हिंट/ संकेत: कुतुब-मीनार, ताजमहल, इंडिया गेट, रेड फोर्ट, लोटस टेम्पल, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी।

1.----------

2. ----------

3.----------

4. ----------

5.----------

6. ----------

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 4

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

दिए गए प्रमुख भारतीय स्मारकों का चित्र के अनुसार नाम लिखकर उसके बारें में 5-6 पंक्तियाँ लिखें।

हिंट/संकेत: कुतुब-मीनार, ताजमहल, इंडिया गेट, रेड फोर्ट, लोटस टेम्पल, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी, गेटवे ऑफ़ इंडिया।

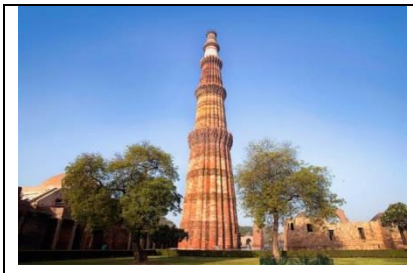	
नाम :-	

नाम :-	

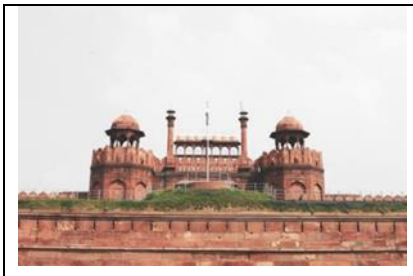	
नाम :-	

नाम :-	

नाम :-	

नाम :-	

नाम :-	

शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): सामाजिक विज्ञान

5.गतिविधि का नाम: सौर मंडल का ज्ञान।

लक्ष्य	बच्चा सूरज और उसके ग्रहों के तंत्र के बारे में जान सकेगा।
अधिगम लाभ	ग्रह और तारे की परिकल्पना, अपने सौर मंडल में ग्रहों कि स्थिति की जानकारी एवं ग्रहों की सूरज से दूरी के अनुसार उनकी प्रकृति की समझ।

5 (क) गतिविधि स्तर 1	**5 (ख) गतिविधि स्तर 2**	**5 (ग) गतिविधि स्तर 3**
सूरज से जान-पहचान।	सौर मंडल की सैर।	ग्रहों की स्थिति समझना।
प्रक्रिया		
1.बच्चे से आकाश से सम्बंधित प्रश्न पूछा जा सकता है जैसे कि रात में आसमान में आपको क्या दिखाई देता है? 2.बच्चा अपने संभावित उत्तर में चांद और तारे बता सकता है। 3. बच्चे से पूछें कि दिन में आकाश में क्या दिखाई देता है? 4. बच्चा अपने संभावित उत्तर में सूरज का नाम बता सकता है। 5.बात को आगे बढ़ाते हुए बच्चे से पूछें कि दिन में चांद और तारे कहां चले जाते हैं? 6. इस प्रश्न पर हो सकता है बच्चा कोई उपयुक्त उत्तर न दे पाए तो उसे बताएं कि सूर्य भी एक तारा है । यह हमारे नजदीक है। अतः हमें इसका प्रकाश बहुत तेज दिखाई देता है। 7.नीचे दिए गए चित्र और उसकी व्याख्या बच्चे को पढ़कर समझाएं।	1.बच्चे से अपनी पृथ्वी के बारे में चर्चा करें। बच्चे को बताएं की पृथ्वी एक ग्रह है। 2.नीचे दी गई विषयवस्तु के माध्यम से बच्चे को समझाएं कि किस तरह के खगोलीय पिंड को ग्रह कहते है। 3.बच्चे से पूछा जा सकता है कि क्या पृथ्वी जैसे कोई अन्य ग्रह भी होते हैं? 4.बच्चे को दिया गया चित्र दिखाते हुए सभी ग्रहों के नाम बताएं। 5. बच्चे को क्रमानुसार ग्रहों की स्थिति समझाएं। 6. बच्चे को समझाएं कि किस तरह से सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।	1. बच्चे से पृथ्वी की विशेषताओं के बारे में बात करें जैसे- कि पृथ्वी पर प्राकृतिक रूप से क्या-क्या पाया जाता है? 2. बच्चे को बताएं कि पृथ्वी पर पानी पाया जाता है। 3. बच्चे से पूछें कि क्या उसे किसी और ग्रह के बारे में पता है? 4.बच्चे को अन्य ग्रहों कि विशेषताओं के बारे में नीचे दी गई विषय वस्तु के माध्यम से समझाएं। 5. बच्चे को समझाएं कि जो ग्रह सूर्य से जितनी दूर होता है उसे सूर्य की परिक्रमा करने में उतना ही अधिक समय लगता है। 6. ग्रहों की परिक्रमण अवधि दिखाकर यह बात समझाई जा सकती है।

विषय वस्तु -

ऊपर दिए गए चित्र मे आसमान में चांद और तारे दिखाई दे रहे हैं।

आइए जानते हैं तारा क्या होता है?

आकाश में रहने वाले वे पिंड जिनके पास अपनी ऊष्मा और प्रकाश होता है, तारे कहलाते हैं। तारे गैस से बने होते हैं।

जैसे: सूर्य हमारे सबसे निकट एक तारा है, इसलिए हमें सूरज बाकी तारों से बड़ा दिखाई देता है। इसका प्रकाश बहुत तेज दिखाई देता है। बाकी तारे हमसे काफी दूरी पर हैं इसलिए हमें छोटे दिखाई देते हैं।

दिन में सूरज के तेज प्रकाश में बाकी तारे दिखाई नहीं देते। रात में सूरज के आसमान में नहीं होने पर तारे दिखाई देते हैं।

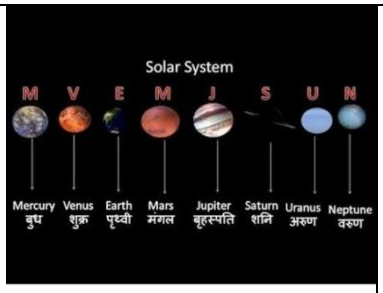

ग्रह

कुछ खगोलीय पिंडों के पास अपना प्रकाश व ऊष्मा नहीं होती वे ग्रह कहलाते हैं। यह अपना प्रकाश तारों से ग्रहण करते हैं और तारे के इर्द गिर्द चक्कर लगाते हैं।

जैसे- कि पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं, एक ग्रह है, यह सूरज के चारों ओर चक्कर लगाती है।

पृथ्वी जैसे 7 और ग्रह हैं जो हमारे सौर मंडल का भाग हैं यह भी सूर्य के चक्कर लगाते हैं।

चित्र में हमारे सौर मंडल के आठों ग्रह प्रदर्शित किये गए हैं।

- **बुध**
- **शुक्र**
- **पृथ्वी**
- **मंगल**
- **बृहस्पति**
- **शनि**
- **यूरेनस**
- **नेपच्यून**

ग्रहों की विशेषताएं

ग्रह का नाम	सूर्य के चारों ओर परिक्रमण	विशेषता
बुध	88 दिन	सौर मंडल का सबसे छोटा ग्रह,
शुक्र	255 दिन	पृथ्वी का जुड़वा ग्रह, पृथ्वी की विपरीत दिशा में सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाता है।
पृथ्वी	365 दिन	अकेला ग्रह जिस पर जीवन पाया जाता है
मंगल	687 दिन	इसे लाल ग्रह भी कहते हैं।
बृहस्पति	11 साल 11माह	सबसे बड़ा ग्रह
शनि	29साल 5 महीने	सौर मंडल का

		दूसरा सबसे बड़ा ग्रह, इस ग्रह के चारों ओर वलय हैं जो हजारों मीलों तक फैले हैं।
यूरेनस(अरुण)	84 साल	यह पानी अमोनिया और मीथेन से बना है।
नेपच्यून (वरूण)	164 साल	सौर मंडल का सबसे ठंडा ग्रह

बृहस्पति, शनि, अरूण और वरुण बाह्य ग्रह कहलाते हैं। यह गैस तथा तरल पदार्थों से बने हैं।

बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल आंतरिक ग्रह कहलाते हैं ये चट्टानों से बने हैं।

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 5

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

प्रश्न 1. नीचे दिए गए कथनों के सामने सत्य/ असत्य लिखिए।

I. सूर्य एक चमकने वाला ग्रह है। ( )

II. तारों में अपनी ऊष्मा एवम् प्रकाश होता है। ( )

III. सभी तारे रात में दिखाई देते हैं। ( )

IV. सूर्य पृथ्वी से सबसे दूर स्थित तारा है। ( )

प्रश्न 2. सूर्य एक गैस और आग का गोला है। क्या पृथ्वी पर भी गैसें पाई जाती हैं? यदि हाँ तो पृथ्वी पर पाई जाने वाली किन्हीं दो गैस का नाम लिखिए।

उत्तर.

प्रश्न 3. तारे दिन में कहां चले जाते हैं?

उत्तर.

प्रश्न4. सूर्य का चित्र बनाएं और उसमें रंग भरें।

उत्तर.

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 5

(स्तर- 2)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

प्रश्न 1. नीचे ग्रहों के नाम दिए गए हैं इन्हे क्रम से व्यवस्थित करें।

ग्रहों के नाम	**सही क्रम**
शनि	**बुध**
मंगल	
बृहस्पति	
अरुण	
पृथ्वी	
बुध	
शुक्र	
वरुण	

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों को नीचे दिये गये शब्दों से चुनकर भरें।

(प्रकाश, सूर्य, ग्रह, ऊष्मा, सूर्य)

क) ग्रह के पास अपनी_____व _____ नहीं होते हैं।

ख) पृथ्वी एक _____है।

ग) पृथ्वी _____के चक्कर लगाती है।

घ) ग्रह _____ से प्रकाश ग्रहण करते हैं।

प्रश्न 3. सौर मण्डल का चित्र बनाएं।

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 5

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

आपको सौर-मण्डल प्रश्नावली दी गई है सही उत्तर पर चिन्ह लगाएं।

प्रश्न 1. सौर-मण्डल के मध्य में कौन कौन से ग्रह हैं?

क) वरूण ख)सूर्य ग) बृहस्पति

प्रश्न 2. सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह कौन सा है?

क) बृहस्पति ख) वरूण ग)बुध

प्रश्न 3. सौर-मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है?

क) वरूण ख)वरुण ग) बृहस्पति

प्रश्न4. कौन सा ग्रह सूर्य की परिक्रमा में 365 दिन लगाता है?

क) वरूण ख)मंगल ग) पृथ्वी

प्रश्न 5. सौर-मण्डल का सबसे गर्म ग्रह कौन सा है?

क) अरूण ख)बुध ग) बृहस्पति

प्रश्न 6. किस ग्रह के आस पास वलय हैं?

क) शनि ख) शुक्र ग) बृहस्पति

प्रश्न 7. किस ग्रह पर पानी पाया जाता है?

क) शुक्र ख)पृथ्वी ग) बृहस्पति

6. गतिविधि का नाम:- सरकार के अंग।

लक्ष्य	सरकार के विभिन्न अंग एवं उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों की समझ विकसित करना।
अधिगम लाभ	भारतीय लोकतान्त्रिक प्रणाली की समझ।

6 (क)गतिविधि स्तर- 1	**6 (ख)गतिविधि स्तर-2**	**6 (ग)गतिविधि स्तर-3**
व्यवस्थापिका: सरकार की कानून निर्मात्री संस्था।	कार्यपालिका : सरकार की कानून लागू करने वाली संस्था।	न्यायपालिका : संविधान की संरक्षक और झगड़ों का निपटारा करने वाली संस्था।
प्रक्रिया		
1. बच्चे से सरकार द्वारा किये जाने वाले कार्यों की चर्चा करें । 2. उदाहरण देते हुए पूछें कि सरकार किस प्रकार नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करती है। देश की रक्षा करती है एवं झगड़ों का निपटारा करती है। 3. बच्चे को भारतीय संसद का चित्र दिखाते हुये संसद के विषय में चर्चा करें। 4. बच्चे को अपने क्षेत्र के संसद सदस्य के विषय में बताएं। 5. बच्चे से हाल ही में हुए क़ानूनी बदलावों और नए बने कानूनो के विषय में चर्चा करें जैसे- CAA, तीन तलाक, नई शिक्षा नीति आदि ।	1. बच्चे से भारतीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति और उनके कार्यों के विषय में पूछें। 2. बच्चे से चर्चा करें किस प्रकार प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर सरकार द्वारा किये गये कार्यों और भावी योजनाओं के विषय में जनता को बताते हैं । 3. बच्चे से पूछें कि यदि कार्यपालिका भली प्रकार कार्य ना करे तब क्या स्थिति होगी । 4. बच्चे को संसद में होने वाली चर्चाओं के बारे में बताएं साथ ही उसे समझाएं की कार्यपालिका संसद के प्रति जिम्मेदार होती है।	1. बच्चे से पूछें यदि कोई झगडा करता है तो सरकार क्या करती है? 2. यदि कोई हमारे अधिकारों को छीने तो हमे किसके पास जाना चाहिए? 3. बच्चे से संभावित उत्तर- "न्यायालय" पाने के लिए ऐसे ही कुछ प्रश्न पूछे जा सकते है । 4. बच्चे को उदाहरण देते हुए बताएँ कि कानून के शासन को लागू करने के लिये भारत में न्याय व्यवस्था है। 5. बच्चे को न्यायालय का चित्र दिखाया जा सकता है ।

प्रारूप-चित्र

संसद भवन

राष्ट्रपति भवन

सर्वोच्च न्यायालय

लोक सभा

उत्तरी ब्लॉक एवं दक्षिणी ब्लॉक

उच्च न्यायालय

राज्य सभा

दक्षिणी ब्लॉक- प्रधानमंत्री कार्यालय

अधीनस्थ न्यायालय

विषयवस्तु

- सरकार द्वारा विभिन्न कार्य उसके तीन अंगों के माध्यम से किये जाते हैं।
- सरकार का सबसे महत्वपूर्ण कार्य देश के हित में कानून बनाना है।
- कानून को बनाने का कार्य व्यवस्थापिका द्वारा होता है जिसे संसद कहते हैं।

इसके दो सदन हैं-

- लोक सभा
- राज्य सभा

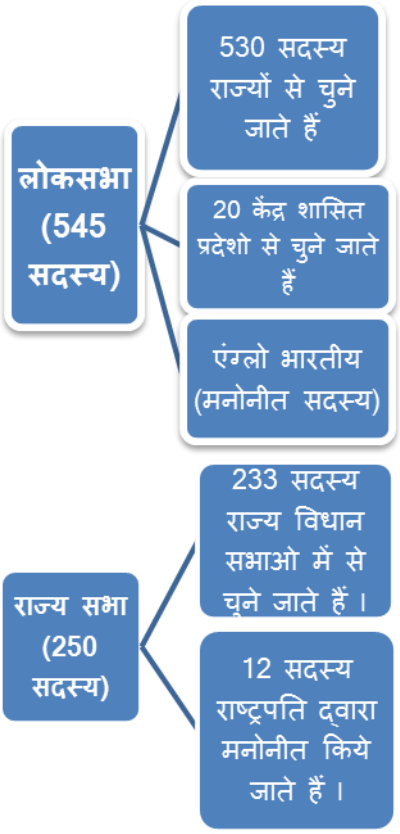

<u>व्यवस्थापिका के कार्य-</u>

- **कानूनों में बदलाव और नए कानूनों का निर्माण करना।**
- **देश की कार्यपालिका का चुनाव करना ।**
- **कार्यपालिका को नियंत्रित करना**
- **सरकार को मार्गदर्शन और जानकारी देना ।**

- व्यवस्थापिका अपने सदस्यों में से कार्यपालिका को चुनती है।
- यह संसद द्वारा बनाये गए कानूनों को लागू करती है।
- कार्य पालिका का प्रमुख राष्ट्रपति होता है जो प्रधान मन्त्री एवं मंत्रियों की सहायता से कानूनों को लागू करता है।

कार्यपालिका

मंत्रिमंडल के सदस्य विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से अपने कार्यों का संपादन करते हैं
जैसे: रक्षा मंत्रालय ,वित्त मंत्रालय ,रेल मंत्रालय ,मानव संसाधन विकास मंत्रालय ,विदेश मंत्री ,कृषि मंत्रालय ,उद्योग मंत्रालय।

<u>कार्यपालिका के कार्य-</u>

- **देश की सीमाओं की रक्षा करना।**
- **देश में कानून व्यवस्था बनाये रखना ।**
- **जन कल्याणकारी कार्य करना विदेशों से सम्बन्ध बनाना और राजदूतों को नियुक्त करना।**
- **बजट बनाना ।**

- सरकार का तीसरा महत्वपूर्ण अंग न्यायपालिका है। यह भारतीय संविधान के अन्तर्गत स्वतंत्र रूप से कार्य करती है।
- भारतीय न्याय व्यवस्था एकीकृत है जिसमें सर्वोच्च न्यायालय का स्थान सबसे ऊपर है।
- इसके नीचे उच्च न्यायालय और उसके बाद अधीनस्थ न्यायालय कार्य करते हैं।

<u>न्यायपालिका के कार्य-</u>

- **विवादों का निपटारा करना।**
- **संसद द्वारा बनाये गये कानूनों की समीक्षा करना कि वे संविधान के अनुसार हों।**
- **संविधान की व्याख्या करना।**
- **मौलिक अधिकारों की रक्षा करना।**
- **राष्ट्रपति को कानूनी सलाह देना ।**

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 6

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

सरकार के अंग

1.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

क) भारतीय व्यवस्थापिका को _____ कहते हैं ।

ख) भारतीय संसद के दो सदन हैं 1. _____, 2._____

ग) आपकी लोकसभा सीट से चुने गये वर्तमान सदस्य का नाम _____

घ) व्यवस्थापिका के दो मुख्य कार्य

i. _____

ii. _____

2. **यदि आपको व्यवस्थापिका में कानून बनाने का कार्य मिले तो आप कौन सा कानून बनायेंगे और क्यों?**

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 6

(स्तर- 2)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

1.रिक्त स्थान भरो:-

क) कार्यपालिका के प्रमुख अंग ---------- हैं।

ख) वर्तमान प्रधान मंत्री श्री---------- हैं।

2. कार्यपालिका के विभिन्न मंत्रालयों एवं मंत्रियों की सूची तैयार करें ।

क्रम संख्या	मंत्रालय	मंत्री का नाम
1.	गृह	श्री अमित शाह
2.	विदेश	
3.	रक्षा	
4.	वित्त	
5.	कृषि	
6.	सड़क परिवहन	
7.	मानव संसाधन विकास	
8.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	
9.	महिला एवं बाल विकास	
10.	रेल	

3. **कार्यपालिका द्वारा किये गए कार्यों की सूची बनायें ।**

कार्य	**उसके लिए उठाये गए कदम**
देश की रक्षा करना	आतंकवादी घुसपैठियों को रोकना, नये राफेल विमान खरीदना।
विदेशों से सम्बन्ध बनाना	
उद्योगों एवं कृषि का विकास	
पर्यावरण की रक्षा	

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 6

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

1. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?
2. यदि कोई जबरन सुनिता के मौलिक अधिकारों का हनन करे तो उसे क्या करना चाहिए ?
3. भारत का संविधान कब लागू हुआ था?
4. न्यायपालिका के कार्य बादल में लिखें।

शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): सामाजिक विज्ञान

7.गतिविधि का नाम: संसाधन पहचानो।

लक्ष्य	संसाधन और उनकी उपयोगिता जानना।
अधिगम लाभ	बच्चा विभिन्न संसाधनों उनके प्रकार और उनकी उपयोगिता का आकलन कर सकेगा। बच्चा संसाधनों के संरक्षण हेतु उपायों पर चर्चा कर सकेगा।

7.(क) गतिविधि स्तर 1	**7 (ख) गतिविधि स्तर 2**	**7 (ग) गतिविधि स्तर 3**
1.संसाधनों की पहचान।	1. संसाधनों के प्रकार।	संसाधनों का संरक्षण।
प्रक्रिया		
1.नीचे दिए गए चित्र को दिखाते हुए बच्चे से पूछें कि चित्र में दी गई वस्तुओं का उसके जीवन में क्या उपयोग है? 2. बच्चे को प्रेरित करें कि वह चित्र में दी गई किसी भी एक वस्तु का उपयोग अपने शब्दों में समझाए। 3.अभिभावक नीचे दी गई विषयवस्तु के माध्यम से बच्चे को संसाधन का अर्थ समझाएं। जैसे- कि पानी का उपयोग हम पीने और घर के कामों के अलावा खेती में भी करते है अतः पानी एक संसाधन है। 4.इसी प्रकार नीचे दी गई अन्य वस्तुओं की भी संसाधन के तौर पर पहचान करवाएं।	1. हमने पिछले स्तर पर पानी को एक संसाधन के रूप में पहचाना था। बच्चे से पूछें कि पानी कहां से आता है? 2.बच्चा संभावित उत्तर के रूप में नल बता सकता है तो उससे पूछें कि नल में पानी कहां से आता है? 3. बच्चा उत्तर के रूप में नदी बता सकता है। 4. बच्चे को समझाएं कि जल एक प्राकृतिक संसाधन है जो हमें नदी, कुएं, तालाब आदि से मिलता है। 5.बच्चे को बताएं कि पानी से बिजली भी बनाई जाती है।इसके लिए हम तकनीक का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार बिजली एक मानव निर्मित संसाधन है। 6.बच्चे से पूछें कि क्या वह या आप(अभिभावक) बाँध बना सकते हैं। 7.बच्चा नहीं में उत्तर दे सकता है। 8.बच्चे को बताएं कि बहुत सारे कुशल इंजीनियर और कारीगर मिलकर तकनीक की सहायता से बांध बनाते हैं। यही तकनीकी रूप से कुशल लोग मानव संसाधन हैं।	1.बच्चे को उदाहरण देते हुए पूछें की क्या सूर्य का प्रकाश एवम् वायु खत्म हो सकते हैं? 2. क्या पेट्रोलियम पदार्थ और कोयला खत्म हो सकते हैं? 3. बच्चे से पूछें कि इन संसाधनों का कहाँ-कहाँ उपयोग किया जा रहा है? 4.बच्चे से चर्चा करें कि जब हम जमीन से सारा कोयला निकाल लेंगे तब नया कोयला हमें कहां से मिलेगा? 5. बच्चे को समझाएं कि यदि इन संसाधनों का हमने समझदारी से उपयोग नहीं किया तो ये निकट भविष्य में समाप्त हो सकते हैं जैसे- कि यदि पेट्रोलियम जो कि धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। 6. बच्चे से कार्यपत्रक की सहायता से उन उपायों/ तरीकों की सूची बनवाएं जिनसे हम संसाधनों का संरक्षण कर सकते हैं।

चित्र-

सूरज, मिट्टी, पानी, पेट्रोल, हवा, लकड़ी, कोयला, कार, **ट्रेन, बस आदि**

संसाधन

- प्रत्येक वस्तु जिसका उपयोग आवश्यकता पूर्ण करने के लिए किया जाता है वह संसाधन है।
- संसाधनों की उपयोगिता उनकी आवश्यकता पर निर्भर करती है।
- हमारे चारों ओर जो वस्तुएं हमें दिखाई देती है और जिनसे हम अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं वही संसाधन हैं।
- संसाधनो की उपयोगिता ही उनके मूल्य का निर्धारण करती है।
- उपलब्ध संसाधनों को तकनीक की सहायता से ही प्रयोग करने लायक बनाया जा सकता है।

संसाधनों के प्रकार

प्राकृतिक संसाधन

जो संसाधन हमें सीधे प्रकृति से प्राप्त होते हैं। जैसे जल, सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा, वन,

मानव निर्मित संसाधन

प्राकृतिक पदार्थों को संसाधनों का रूप देने के लिए उनके मूल रूप में परिवर्तन किया जाता है।तकनीक की सहायता से उन्हें उपयोग करने लायक बनाया जाता है।

मानव संसाधन

संसाधनों को उपयोगी रूप देने के लिए ज्ञान, कौशल, प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है जो मानव पूरी करता है। मानव कौशल और तकनीकी ज्ञान से संसाधनों को उपयोग करने लायक बनाता है।

संसाधनों का संरक्षण

वे संसाधन जो असीमित हैं जिनका पुनः उपयोग संभव है वे संसाधन नवीनीकृत संसाधन हैं जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा आदि।

वे संसाधन जो सीमित हैं जिनका पुनः उपयोग संभव नहीं है वे गैर नवीनीकृत संसाधन हैं। इनका निर्माण हजारों वर्षो के उपरांत होता है जैसे कोयला, पेट्रोल, खनिज,

कोई भी संसाधन संरक्षण के बिना दुर्लभ हो सकता है। संसाधनों का समझदारी से उपयोग अति आवश्यक है।

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 7

(स्तर- 1)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

नीचे दी गई तालिका में अपने आस-पास की वस्तुओं के नाम, उनका उपभोग और उनका आर्थिक मूल्य लिखिए। आपके लिए दो वस्तुओं के नाम लिखकर दिये गये हैं।

वस्तु	उपभोग	आर्थिक मूल्य
आलू	खाना	35 रुपये प्रति किलो
कंघा	बाल संवारना	.....

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 7

स्तर- 2 (i)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

निम्न तालिका में कुछ कार्य दिए गए हैं उन्हें पूरे करने के लिए आवश्यक संसाधन लिखिए। इसी तरह कुछ और भी कार्य सोचकर लिखिए।

क्रम संख्या	कार्य	पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन
1.	पढ़ना	
2.	नहाना	
3.	खाना पकाना	
4.	स्कूल जाना	
5.	कपड़े धोना	

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 7

स्तर- 2 (ii)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

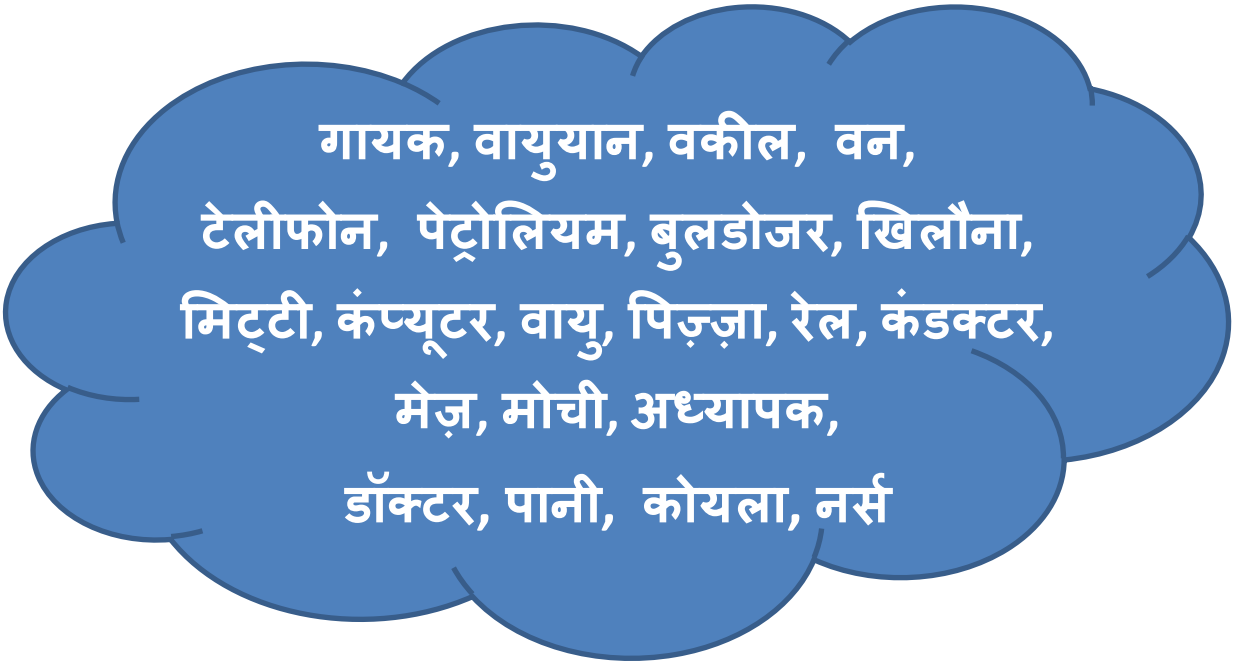

ऊपर दिए गए बादल में से संसाधन छांटकर सही कॉलम में लिखिए।

प्राकृतिक संसाधन	मानव निर्मित संसाधन	मानव संसाधन

वर्कशीट

गतिविधि संख्या- 7

(स्तर- 3)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

निम्न संसाधनों के संरक्षण के उपाय बताएं।

जल का संरक्षण

1.
2.
3.
4.

जंगली जानवरों का संरक्षण

1.
2.
3.
4.

मिट्टी का संरक्षण

1.
2.
3.
4.

वनों का संरक्षण

1.
2.
3.
4.

जल का संरक्षण

1.
2.
3.
4.

पूर्व पठन कौशल
पूर्व लेखन कौशल
विज्ञान
पूर्व गणितीय कौशल
गणितीय कौशल
अंग्रेजी
हिन्दी
सामाजिक विज्ञान